केन्द्रीय पटसन एवं समवर्गीय रेशा अनुसंधान संस्थान
ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers
Barrackpore, Kolkata-700120

पटसन और समवर्गीय रेशों के कृषक समुदाय को कृषि-सलाह सेवाएं (8-14 अप्रैल, 2020)

1) अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 – 37^0 C और 24 -27^0 C होने का अनुमान है, अगले एक सप्ताह के दौरान वर्षा होने की संभावना ना के बराबर है। जिन किसानों की बुवाई अभी तक जारी है, वो सभी 31 मार्च से 7 अप्रैल, 2020 तक की कृषि-सलाह का पालन करें।

2) जिन लोगों ने पहले से ही बुवाई पूरी कर लिए हैं, उन्हें खरपतवार नियंत्रण और मिट्टी की नमी संरक्षण के लिए सिंचाई के साथ बुआई के 5 - 8 दिनों के बाद क्रिजेफ़ नेल वीडर या जिनके पास क्रिजेफ़ सिंगल चक्का वीडर (साईकल वीडर)का उपयोग करना चाहिए।

3) जिन लोगों ने पंक्ति विधि से बुवाई ना करके छिटकांवा (broadcasted) विधि से बुवाई की है वे, खेत में बीज छिड़कने के बाद जूट में एक साथ खरपतवार नियंत्रण, विरलीकरण (thinning) और लाइन की सही व्यवस्था के लिए, बुआई के 4 से 7 दिन बाद क्रिजेफ़ नेल वीडर या क्रिजेफ़ सिंगल चक्का वीडर (साईकल वीडर) का उपयोग करें और इसको चलाते समय 10-10 सें° मी° का अंतराल रखे ।

4) जूट की बुवाई के बाद जो खरपतवार निकलती है उसके नियंत्रण के लिए, क्विजलोफोप इथाईल @ 1.0 मिली / लीटर पानी में बुवाई के 8-10 दिन बाद और 1.5 मिली / लीटर बुवाई के 15 दिन बाद छिड़काव करें।

5) किसानों को इंडिगो कैटरपिलर के संक्रमण पर सतर्क रहने की सलाह दी जाती है, विशेष रूप से 3 – 4 सें° मी° हुए छोटे पौधों में, जिनको ये कीट जमीनी सतह से काटता हैं। इसका संक्रमण बारिश या सिंचाई के बाद अधिक होता है । लार्वा पौधे के आधार में मिटटी के ढेलों में छिपे रहते है। इंडिगो कैटरपिलर के नियंत्रण के लिए क्लोरपायरीफॉस 20 मिली @ 2 मिली / ली का छिड़काव दोपहर में किया जाना चाहिए । यदि समस्या बनी रहती है, तो इसे 8 - 10 दिनों के अंतराल पर दोहराएं।